सीरी में जिज्ञासा मिशन के अंतर्गत जलवायु घड़ी असेम्बली एवं डिस्प्ले ईवेन्ट का आयोजन

जवाहर नवोदय विद्यालयों के 2500 से अधिक विद्यार्थियों व शिक्षकों ने की प्रतिभागिता

सीएसआईआर-सीरी में जिज्ञासा मिशन के अंतर्गत दिनांक : 13 सितंबर, 2023 को **'ओरिएंटेशन ऑफ क्लाइमेट क्लॉक : असेम्बली एंड डिस्प्ले ईवेन्ट'** का आयोजन किया गया। हाइब्रिड मोड में आयोजित किए गए इस कार्यक्रम के आरंभिक सत्र में नवोदय विद्यालय समिति, जयपुर संभाग के अंतर्गत आने वाले 57 जवाहर नवोदय विद्यालयों के 2500 से अधिक विद्यार्थियों एवं अध्यापकों ने प्रतिभागिता की। जिज्ञासा कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में 'सोलर मैन आफ इंडिया' के नाम से प्रसिद्ध **प्रोफेसर चेतन सोलंकी** मुख्य अतिथि थे। प्रोफेसर सोलंकी आभासी (वर्चुअल) माध्यम से कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। **डॉ पी सी पंचारिया**, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। संस्थान के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में जवाहर नवोदय विद्यालयों के मेधावी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के अलावा संस्थान के वैज्ञानिक एवं अन्य सहकर्मी भौतिक रूप से एवं अन्य विद्यार्थी आदि आभासी रूप से सम्मिलित हुए।

कार्यक्रम के दौरान सभागार में उपस्थित डॉ पी सी पंचारिया, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी; श्री सचिन, इंजीनियर, एनर्जी स्वराज फाउंडेशन तथा नवोदय विद्यालयों के विद्यार्थी एवं शिक्षकगण

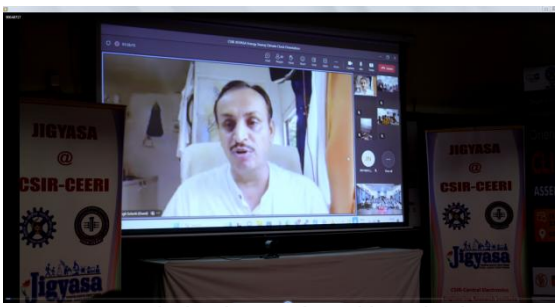

प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए प्रोफेसर सोलंकी

एनर्जी स्वराज फाउंडेशन के संस्थापक **प्रोफेसर चेतन सोलंकी** ने अपने ऑनलाइन संबोधन में बढ़ते वैश्विक तापमान पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि हम लोग ही इस तापमान वृद्धि के लिए जिम्मेदार हैं, अत: इसे नियंत्रित करना भी हमारी ही व्यक्तिगत एवं सामूहिक जिम्मेदारी है। इसके नियंत्रण के लिए हम सभी को अपना यथासंभव योगदान देना ही होगा। उन्होंने इस अवसर पर एनर्जी स्वराज फाउंडेशन के संबंध में बताते हुए फाउंडेशन द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी भी दी। उन्होंने फाउंडेशन के प्रयासों से विकसित सोलर वैन के बारे में भी छात्र-छात्राओं को बताया। सभी विद्यार्थी 'सोलर मैन आफ इंडिया' के विचारों से अत्यंत प्रभावित हुए।

अध्यक्षीय संबोधन देते हुए डॉ पी सी पंचारिया, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सीएसआईआर के निदेशक **डॉ पी सी पंचारिया** ने प्रोफेसर चेतन सोलंकी सहित सभी विद्यार्थियों एवं उनके शिक्षकों का औपचारिक स्वा गत किया। अपने संबोधन में उन्होंने भारतीय संस्कृति की केंद्रीय अवधारणा 'वसुधैव कुटंबकम' का उल्लेख करते हुए कहा कि यह धरती हमारी माँ है और इसकी एवं इसके प्रत्येक जीव-जंतु की देखभाल करना हमारा ही दायित्व है। इस अवसर पर उन्होंने कार्यक्रम में वास्तविक तथा आभासी (वर्चुअल/ऑनलाइन) रूप से जुड़े विद्यार्थियों को बताया कि हमारा संस्थान 'हरित हाइड्रोजन' पर शोधरत है और इसके अलावा हम इलेक्ट्रॉनिक विधियों से ऊर्जा उत्पादन की दिशा में भी कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम संस्थान परिसर में एक ऐसे भवन के विकास की दिशा में भी प्रयासरत हैं जो अपनी सभी ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति सौर ऊर्जा से करेगा।

प्रतिभागियों को व्याख्यान देते हुए श्री सचिन, इंजीनियर, एनर्जी स्वराज फाउंडेशन

एनर्जी स्वराज फाउंडेशन के इंजीनियर **श्री सचिन कुमार** ने भी इस अवसर पर अपने रोचक व्याख्यान में छात्र-छात्राओं को जलवायु परिवर्तनों के प्रति सचेत करते हुए कहा कि हमें मिल कर इन्हें अपरिवर्तनशील स्थिति में पहुंचने से पूर्व रोकने के प्रयास करने होंगे। उन्होंने अपनी रोचक शैली में प्रतिभागी विद्यार्थियों को अपने व्याख्यान से जोड़ते हुए उनसे संवाद स्थापित किया और वैश्विक जलवायु परिवर्तन संबंधी परिदृश्य से अवगत कराया। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को जलवायु संरक्षण की शपथ भी दिलाई।

कार्यक्रम के दौरान क्लाइमेट क्लॉक की असेम्बली का प्रशिक्षण प्राप्त करते हुए प्रतिभागी छात्र-छात्राएं

प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को संस्थान के वैज्ञानिकों, तकनीकी अधिकारियों एवं शोधार्थियों ने जलवायु घड़ी की असेम्बली का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया।

असेम्बली के उपरांत तैयार जलवायु घड़ियों का प्रदर्शन

प्रशिक्षण के उपरांत छात्र-छात्राओं द्वारा तैयार जलवायु घड़ियों का प्रदर्शन भी किया गया। प्रतिभागी विद्यार्थियों को संस्थान की विभिन्न प्रयोगशालाओं एवं विज्ञान संग्रहालय में शोध गतिविधियों की जानकारी भी दी गई। प्रतिभागियों ने कार्यक्रम में सक्रिय प्रतिभागिता की।

प्रशिक्षकों को जलवायु घड़ी की असेम्बली का प्रशिक्षण देते हुए श्री सचिन, इंजीनियर, एनर्जी स्वराज फाउंडेशन

इससे पूर्व 12 सितंबर, 2023 को विद्यार्थियों को यह प्रशिक्षण देने वाले प्रशिक्षकों को एनर्जी स्वराज फाउंडेशन के इंजीनियर श्री सचिन कुमार ने क्लाइमेट क्लॉक की असेम्बली का प्रशिक्षण दिया गया।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए **श्री प्रमोद तँवर**, प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रमुख, पीएमई ने प्रतिभागी विद्यार्थियों एवं उनके शिक्षकों को इस कार्यक्रम के आयोजन की पृष्ठ भूमि से

अवगत कराते हुए जिज्ञासा मिशन की भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारत सरकार द्वारा आरंभ किए गए जिज्ञासा मिशन का उद्देश्य स्कूली विद्यार्थियों को देश में हो रही वैज्ञानिक एवं शोध गतिविधियों के बारे में बताना और उन्हें अनुसंधान क्षेत्र को कैरियर के विकल्प के रूप में भी चुनने के लिए प्रेरित करना है।

इस अवसर पर विद्यार्थियों को संस्थान के वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों से चर्चा का अवसर भी दिया गया। विद्यार्थियों ने संस्थान की विभिन्न शोध गतिविधियों के बारे जानकारी प्राप्त की। विद्यार्थियों एवं उनके शिक्षकों ने विज्ञान संग्रहालय का भी परिदर्शन किया और वैज्ञानिकों से प्रश्न पूछ कर अपनी जिज्ञासा शांत की।

अंत में एनर्जी स्वराज फाउंडेशन के इंजीनियर श्री सचिन कुमार ने संस्थान के निदेशक डॉ पी सी पंचारिया एवं उनकी पूरी टीम को आयोजन के दौरान उपलब्ध कराई गई सुविधाओं एवं संपूर्ण प्रबंधन के लिए आभार व्यक्त किया।

आयोजन के कुछ अन्य चित्र

मृदुल पत्रिका समाचार पत्र को समस्त जिलों एवं तहसील-कस्बों में संवाददाताओं की आवश्यकता है। सम्पर्क सूत्र 9828888853

दैनिक **मृदुल पत्रिका**

राजस्थान, दिल्ली, उत्तराखंड एवं हरियाणा से प्रकाशित

हमारे यहां किताबों व समाचार पत्रों की प्रिन्टिंग की जाती है सम्पर्क सूत्र 9571039307 (भारत प्रिंटर्स एण्ड सेल्स कॉर्पोरेशन)

पृष्ठ 8 वर्ष: 15 मूल्य 2.00 रु. अंक 36 | जयपुर, शुक्रवार, 15 सितम्बर, 2023 | RNI/RAJHIN/2008/27048 | dainikmridulpatrika@gmail.com | 9413193990

दैनिक मृदुल पत्रिका | पिलानी | शुक्रवार, 15 सितम्बर, 2023 http://mridulpatrika.com | 3 | जयपुर

सीरी में जिज्ञासा मिशन के अंतर्गत जलवायु घड़ी असेम्बली एवं डिस्प्ले ईवेन्ट का आयोजन

बढ़ते वैश्विक तापमान को नियंत्रित करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारीः प्रो. चेतन

जवाहर नवोदय विद्यालयों के 2500 विद्यार्थियों व शिक्षकों ने की प्रतिभागिता

पिलानी (बाबूलाल घोघलिया/मृदुल पत्रिका)। सीएसआईआर-सीरी में जिज्ञासा मिशन के अंतर्गत ओरिएंटेशन आँफ क्लाइमेट क्लाक = असेम्बली एंड डिस्प्ले ईवेन्ट का आयोजन किया गया। हाइब्रिड मोड में आयोजित किए गए इस कार्यक्रम में नवोदय विद्यालय समिति, जयपुर संभाग के अंतर्गत आने वाले 57 जवाहर नवोदय विद्यालयों के 2500 से अधिक विद्यार्थियों एवं अध्यापकों ने प्रतिभागिता की। जिज्ञासा कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में 'सोलर मैन आफ इंडिया' के नाम से प्रसिद्ध प्रोफेसर चेतन सोलंकी मुख्य अतिथि थे। डॉ पी सी पंचारिया, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

एनर्जी स्वराज फाउंडेशन के प्रोफेसर चेतन सोलंकी ने ऑनलाइन माध्यम से अपने संबोधन में बढ़ते वैश्विक तापमान पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि हम लोग ही इस तापमान वृद्धि के लिए जिम्मेदार हैं, अतः इसे नियंत्रित करना भी हमारी ही व्यक्तिगत एवं सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने एनर्जी स्वराज फाउंडेशन के प्रयासों की जानकारी भी दी। उन्होंने फाउंडेशन द्वारा विकसित सोलर वैन के बारे में भी छात्र-छात्राओं को बताया। सभी विद्यार्थी 'सोलर मैन आफ इंडिया' के विचारों से अत्यंत प्रभावित हुए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सीएसआईआर के निदेशक डॉ पी सी पंचारिया ने प्रोफेसर सोलंकी सहित सभी विद्यार्थियों एवं उनके शिक्षकों का औपचारिक स्वागत किया। उन्होंने वेदवाक्य वसुधैव कुटंबकम का उल्लेख करते हुए कहा कि यह धरती हमारी मां है और इसकी व इसके प्रत्येक जीव-जंतु की देखभाल करना हमारा ही दायित्व है। इस अवसर पर उन्होंने कार्यक्रम में व्यक्तिगत रूप से तथा ऑनलाइन जुड़े विद्यार्थियों को बताया कि संस्थान ग्रीन हाइड्रोजन पर शोधरत है और हम इसके अलावा इलेक्ट्रॉनिक विधियों से ऊर्जा उत्पादन की दिशा में भी कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम एक ऐसे भवन के विकास की दिशा में भी प्रयासरत हैं जो अपनी सभी ऊर्जा जरूरतों की पूर्ति सौर ऊर्जा से करेगा।

एनर्जी स्वराज फाउंडेशन के सचिन ने भी रोचक व्याख्यान में जलवायु परिवर्तनों के प्रति आगाह किया। प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को संस्थान के वैज्ञानिकों एवं अन्य सहकर्मियों ने जलवायु घड़ी की असेम्बली का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया। उन्हें संस्थान की प्रयोगशालाओं एवं विज्ञान संग्रहालय में शोध गतिविधियों की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम का संचालन एवं समन्वयन श्री प्रमोद तंवर, प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रमुख, पीएमई ने किया।

आप पढ़ रहे हैं देश का सबसे विश्वसनीय और नंबर 1 अखबार

दैनिक भास्कर

राजस्थान

dainikbhaskar.com | झुंझुनूं, शुक्रवार, 15 सितंबर, 2023 | भाद्रपद कृष्ण पक्ष-अमावस्या, 2080 | 12 राज्य | 61 संस्करण

शेखावाटी भास्कर

आयोजन • सीरी में जिज्ञासा मिशन के तहत जलवायु व डिसप्ले ईवेंट का आयोजन हुआ, वक्ता बोले-

बढ़ते तापमान को नियंत्रित करना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी

भास्कर न्यूज़ पिलानी

सीएसआईआर-सीरी में जिज्ञासा मिशन के अंतर्गत 'ओरिएंटेशन ऑफ क्लाइमेट क्लॉक, असेम्बली एंड डिसप्ले ईवेन्ट' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नवोदय विद्यालय समिति जयपुर संभाग के 57 जवाहर नवोदय विद्यालयों के 2500 से अधिक विद्यार्थियों व अध्यापकों ने सहभागिता निभाई।

कार्यक्रम में 'सोलर मैन आफ इंडिया' के नाम से प्रसिद्ध प्रोफेसर चेतन सोलंकी मुख्य अतिथि थे। सीरी के निदेशक डॉ. पी सी पंचारिया ने अध्यक्षता की। एनर्जी स्वराज फाउंडेशन के प्रोफेसर चेतन सोलंकी ने ऑनलाइन माध्यम से अपने संबोधन में बढ़ते वैश्विक तापमान पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि हम लोग ही इस तापमान वृद्धि के लिए जिम्मेदार हैं। इसलिए इसे नियंत्रित करना भी हमारी ही व्यक्तिगत व सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने एनर्जी स्वराज फाउंडेशन द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी भी दी। उन्होंने फाउंडेशन द्वारा विकसित सोलर वैन के बारे में भी छात्र-छात्राओं को बताया।

अध्यक्षता करते हुए निदेशक डॉ. पीसी पंचारिया ने कहा कि यह धरती हमारी मां है और इसकी व इसके प्रत्येक जीव-जंतु की देखभाल करना हमारा ही दायित्व है। उन्होंने ऑनलाइन जुड़े विद्यार्थियों को बताया कि संस्थान 'ग्रीन हाइड्रोजन' पर शोधरत है और हम इसके अलावा इलेक्ट्रॉनिक विधियों से ऊर्जा उत्पादन की दिशा में भी कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम एक ऐसे भवन के विकास की दिशा में भी प्रयासरत हैं जो अपनी सभी ऊर्जा जरूरतों की पूर्ति सौर ऊर्जा से करेगा।

एनर्जी स्वराज फाउंडेशन के सचिन ने भी छात्र-छात्राओं को जलवायु परिवर्तनों के प्रति आगाह किया। प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को संस्थान के वैज्ञानिकों एवं अन्य सहकर्मियों ने जलवायु घड़ी की असेम्बली का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया। संचालन एवं समन्वयन प्रमोद तंवर, प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रमुख, पीएमई ने किया।

पिलानी. कार्यक्रम में उपस्थित स्टूडेंट्स व वैज्ञानिक।